पंचम चरण, कार्यक्रम-०१

त्रिदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

वीडियो विकास एवं सम्पादन

19-21 मई, 2021 तक

संक्षिप्त प्रतिवेदन

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की बहुआयामी परियोजना **पण्डित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन** के अन्तर्गत **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली** में स्थापित **शिक्षण अधिगम केन्द्र** द्वारा पंचम चरण के कार्यक्रमों में **'वीडियो विकास एवं सम्पादन'** विषय पर प्रथम त्रिदिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन दिनांक 19 से 21 मई, 2021 तक किया गया। इस कार्यशाला के उद्देश्य वीडियो निर्माण एवं सम्पादन की प्रक्रिया के विभिन्न तरीकों में अंतर्दृष्टि प्रदान करना एवं कुशलताओं का संवर्द्धन करना। ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन गूगल मीट के मंच पर किया गया। उद्घाटन सत्र का शुभारंभ शिक्षण अधिगम केन्द्र की निदेशक **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** के स्वागत भाषण एवं कार्यशाला सन्दर्भ द्वारा किया गया, तदोपरान्त श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** का अध्यक्षीय भाषण तथा **प्रो. रजनी जोशी चौधरी** (शिक्षापीठ प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से सत्र सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का क्रियान्वयन विशेष रूप से अभिकल्पित 20 सत्रों द्वारा किया गया जिसमें उद्घाटन सत्र, उद्बोधन सत्र, 08 प्रदर्शन आधारित तकनीकी सत्र, 03 प्रश्नोत्तर सत्र, 03 स्वाभ्यास सत्र, ऑनलाइन आकलन सत्र, प्रतिपुष्टि सत्र, अनुभव साझा सत्र एवं समापन सत्र द्वारा किया गया। अन्तिम तिथि तक 90 प्रतिभागियों का पंजीकरण प्राप्त हुआ और सभी ने कार्यशाला पूर्ण की। 90 प्रतिभागियों में भारत के 18 राज्यों से 70 प्रतिभागी एवं 02 केन्द्र शासित प्रदेशों से 20 प्रतिभागी रहे। 18 राज्यों के प्रतिभागियों में आन्ध्र प्रदेश से 03, असम से 01, बिहार से 03, छत्तीसगढ़ से 02, गुजरात से 04, हरियाणा से 05, हिमाचल प्रदेश से 01, झारखण्ड से 02, कर्नाटक से 02, केरल से 01, महाराष्ट्र से 15, उड़ीसा से 03, पंजाब से 01, राजस्थान से 05, तमिलनाडू से 03, उत्तराखण्ड से 03, उत्तर प्रदेश से 13 एवं पश्चिम बंगाल से 03 तथा 2 केन्द्र शासित प्रदेशों में दिल्ली से 19 एवं जम्मू एवं कश्मीर से 01 प्रतिभागी रहे। कार्यशाला विषय में निष्णात् देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के **05 विशेषज्ञों** के कुशल मार्गदर्शन में सभी तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया। इन सत्रों में कार्यशाला के मुख्य विषय रहे यथा - वीडियो रिकॉर्डिंग एवं सम्पादन के मूलभूत आधार, पाउटून द्वारा वीडियो एनीमेशन, पॉवरपॉइन्ट आधारित ई-पाठ्यवस्तु निर्माण, अंतर्क्रियात्मक वीडियो निर्माण हेतु नवाचारिक विधियाँ, फिल्मोरा एवं वी.एस.डी.सी. द्वारा वीडियो रिकॉर्डिंग एवं सम्पादन तथा वीडियो निर्माण हेतु स्क्रीन कैप्चरिंग टूल्स इत्यादि। तकनीकी सत्रों के विषयों के आधार पर विकल्प आधारित 05 दत्तकार्य प्रतिभागियों को दिये गये। ऑनलाइन परीक्षण भी प्रशासित किया गया जिसमें **54% प्रतिभागियों ने 60% से अधिक अंक** प्राप्त किये। अंत में विशेषज्ञों के प्रस्तुत व्याख्यानों की गुणवत्ता के बारे में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि चार श्रेणियों यथा - **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम एवं संतोषजनक** में प्राप्त की गई और उनका औसत 77%, 17%, 05% एवं 01% क्रमशः श्रेणियों में प्राप्त किया गया। इसके साथ ही कार्यशाला के संदर्भ में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि 10 बिंदुओं पर पाँच श्रेणियों में ली गई यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम, संतोषजनक एवं असंतोषजनक** और इन 10 बिंदुओं की श्रेणियों में प्राप्त औसत प्रतिशत में 76% उत्कृष्ट, 20% अति उत्तम, 04% उत्तम, 00% संतोषजनक एवं 00% असंतोषजनक प्राप्त हुई। समापन सत्र में केन्द्र की निदेशक द्वारा गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् **प्रो. आर. पी. तिवारी** (कुलपति, केन्द्रीय पंजाब विश्वविद्यालय, बटिंडा) का मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** (कुलपति, श्रीला.ब.शा.रा.सं.वि.वि., नई दिल्ली) द्वारा दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन एवं शान्तिपाठ के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला समापनोपरान्त सफल प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र एवं ई-चित्रावली मेल द्वारा प्रेषित किये गए।